Number of research papers in the Journals notified on UGC website during the year
Link of the research journal;
https://vyanjanasociety.com/wp-content/uploads/2023/01/Anhad-Lok-15.pdf

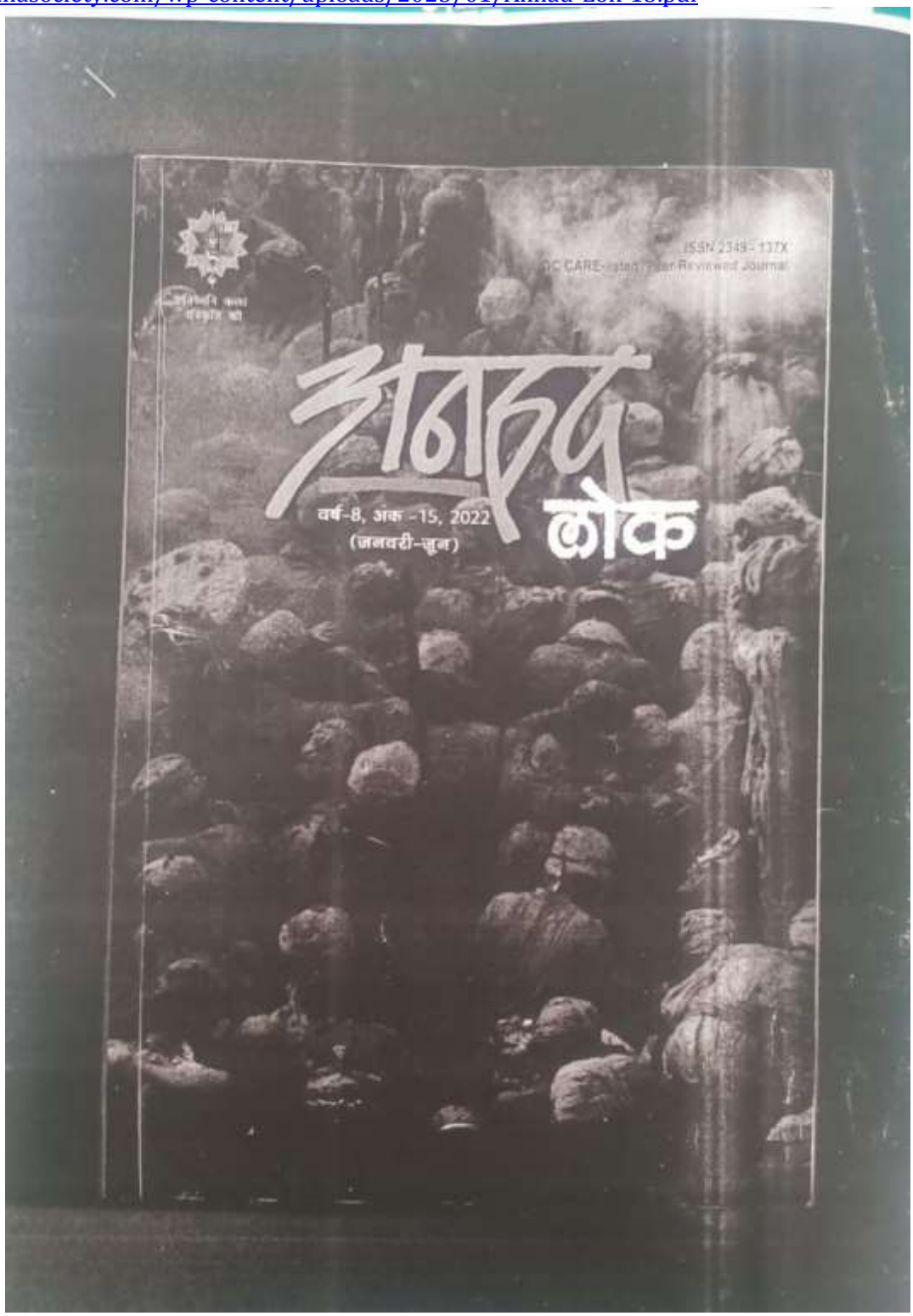

ISSN 2349-137X
UGC CARE-Listed Peer Reviewed

अनहद लोक

(प्रतिध्वनि कला एवं संस्कृति की)

वर्ष-8, 2022, अंक-15
(जनवरी-जून)
(अर्धवार्षिक शोध पत्रिका)

सम्पादक
डॉ. मधु रानी शुक्ला

सम्पादक मण्डल
**डॉ. राजश्री रामकृष्ण, डॉ. मनीष कुमार मिश्रा,
डॉ. धनंजय चोपड़ा, डॉ. ज्योति सिन्हा**

सहायक सम्पादक
सुश्री शाम्भवी शुक्ला

व्यंजना

आर्ट एण्ड कल्चर सोसायटी
109 डी/4, अबुबकरपुर, प्रीतम नगर, सुलेम सराय
प्रयागराज - 211011

महाराष्ट्रीयन संस्कृति के त्यौहार से संगीत का पारस्परिक अनुबंध

डॉ. शिरीष व्ही. कडू
संगीत विभाग
श्री. शिवाजी कला, वाणिज्य व
कला महाविद्यालय, मलकापूर अकोला

प्रो. वंदना म. देशमुख
संगीत विभाग
श्री. शिवाजी कला, वाणिज्य व
कला महाविद्यालय, मलकापूर अकोला

सारांश

भारतीय त्यौहारों का महत्व हर मनुष्य के जीवन में प्राचीनकाल से आजतक महत्वपूर्ण भुमिका निभाता आ रहा है। इस त्यौहारों से मनुष्य अपनी व्यक्तिगत एवं सामाजिक मुल्य, नियमों के पालन प्रति प्रमाणबद्ध रहा है। इन मुल्य नियमों के प्रमाणबद्धता से मनुष्य सांस्कृतिक जीवनायापन बड़ी आनंद एवं उत्साह से व्यतीत करता है, इस सांस्कृतिक जीवनायापन में मनुष्य संस्कृति से जुड़ा रहता है। 'संस्कृति' यह मनुष्य की सबसे बड़ी देन रही है। इसी संस्कृति कारण त्यौहार मनुष्य जीवन से संवंधित एवं विकसीत होते है, देखा जाये तो संस्कृति यह शब्द विविध विशेषणो को लेकर गुजरता है। किन्तु प्रस्तुत संशोधन शोध-निबंध में इस विशेषण के लिए 'प्रादेशिक या प्रांतीय' नामोल्लेख किया है। क्योंकी 'महाराष्ट्रीयन' शब्द का प्रयोग विशिष्ट प्रादेशिक विभाग के लिए लिया जाता है, जसे हम सभी 'महाराष्ट्र' नाम से जानते है।

महाराष्ट्र में मनाये जानेवाले त्यौहारों की चर्चा की गई है और उसी के साथ गीतों का चुनाव भी किया गया है। क्युकिं इन दोनों का पारस्पारीक अनुबंध है। इसीलिए गीतों का चयन मराठी और हिंदी भाषा में किया गया है, इस प्रकार गीतों के माध्यम से महाराष्ट्रीयन त्यौहार एवं संगीत का परस्पर अनुबंध दिखाने का प्रयास किया गया है।

बीज शब्द

महाराष्ट्रीयन संस्कृति, त्योहार, संगीत, गीत, लोकसंगीत.

संस्कृति कोई भी हो उसका दर्शन त्यौहारों में देखा जा सकता है, क्यूँकि इन त्यौहारों में सामाईक, सांस्कृतिक एवं व्यक्तिगत मुल्यों का अनुपालन करने की विचारधारा होती है।

महाराष्ट्रीयन त्यौहारों का महत्वः-

हमारा भारत देश विभिन्न समुह का देश है, जहाँ विभिन्न जाती, धर्म, संप्रदायों का विभिन्न रूप देखने को मिलता है। इसिलीए हमारे देश को अद्भूत कहा जाता है। इस महान देश की पहचान त्यौहारों से भी है, विभिन्न समुहोव्दारा विभिन्न त्यौहारों का आयोजन विभिन्न स्तरपर किया जाता है। ऐसी विषेशता 'महाराष्ट्रराज्य' में भी देखी जाती है। महाराष्ट्रमें जो त्यौहार मनाये जाते है उनके भी

KALA MAHAVIDYALAYA Affiliated to SGBAU Amravati Coll. Code 231 Malkapur, Akola (MH)

G.S. Pands
Principal,
Kala Mahavidyalaya,
Malkapur, Akola (MH)